प्रगति (PRAGATI) – सक्रियता से शासन और समय पर कार्यान्वयन

स्रोत: PIB

प्रधानमंत्री ने प्रगति (PRAGATI) – सक्रियता से शासन और समय पर कार्यान्वयन (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन) की 49वीं बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रमुख बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं में तेज़ी लाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

- **प्रगति (PRAGATI):** यह एक अभिनव **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT)** सक्षम मंच है, जिसे वर्ष 2015 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य सरकारी परियोजनाओं के **समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित तथा जनता की शिकायतों** का निवारण करना है।
  - यह केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करता है, **"टीम इंडिया" दृष्टिकोण** को प्रोत्साहित तथा लालफीताशाही से बचते हुए अंतर्राज्यीय विवादों का कुशलतापूर्वक समाधान करता है।
- **मुख्य विशेषताएँ: प्रगति (PRAGATI)** एक तीन-स्तरीय तंत्र पर आधारित है, जिसमें **प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), केंद्र सरकार के सचिव तथा राज्यों के मुख्य सचिव** शामिल हैं। प्रधानमंत्री की प्रत्यक्ष निगरानी के अंतर्गत निर्णय समयबद्ध तरीके से लिये जाते हैं और अड़चनों का त्वरित निवारण सुनिश्चित होता है।
  - यह **प्लेटफॉर्म वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, भू-स्थानिक मानचित्रण (Geo-spatial mapping), ड्रोन फीड और केंद्रीकृत डेटा प्रणाली** जैसी तकनीकों का समन्वय करता है।
  - यह प्रणाली केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (CPGRAMS), पीएम गतिशक्ति, पर्यावरण मंज़ूरी एवं अनुपालन पोर्टल (PARIVESH) **और** प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप पोर्टल के साथ एकीकृत है, जिससे वास्तविक समय पर निगरानी और पूर्वानुमान आधारित ट्रैकिंग संभव होती है।
- **प्रभाव: वर्ष 2024 तक, प्रगति (PRAGATI) मंच ने 205 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की 340 से अधिक महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं को गति देने में मदद की है।**
  - जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत अभियान और सौभाग्य योजना **के कार्यान्वयन** में सुधार किया गया, जिससे **सीधे करोड़ों नागरिकों को लाभ** मिला।
  - कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) भुगतान, **आयकर रिफंड और अन्य सार्वजनिक शिकायतों** जैसी नागरिक समस्याओं का समाधान किया गया, साथ ही **प्रणालीगत तंत्र में सुधार कर पुनरावृत्ति** को रोकने की दिशा में कदम उठाए गए।

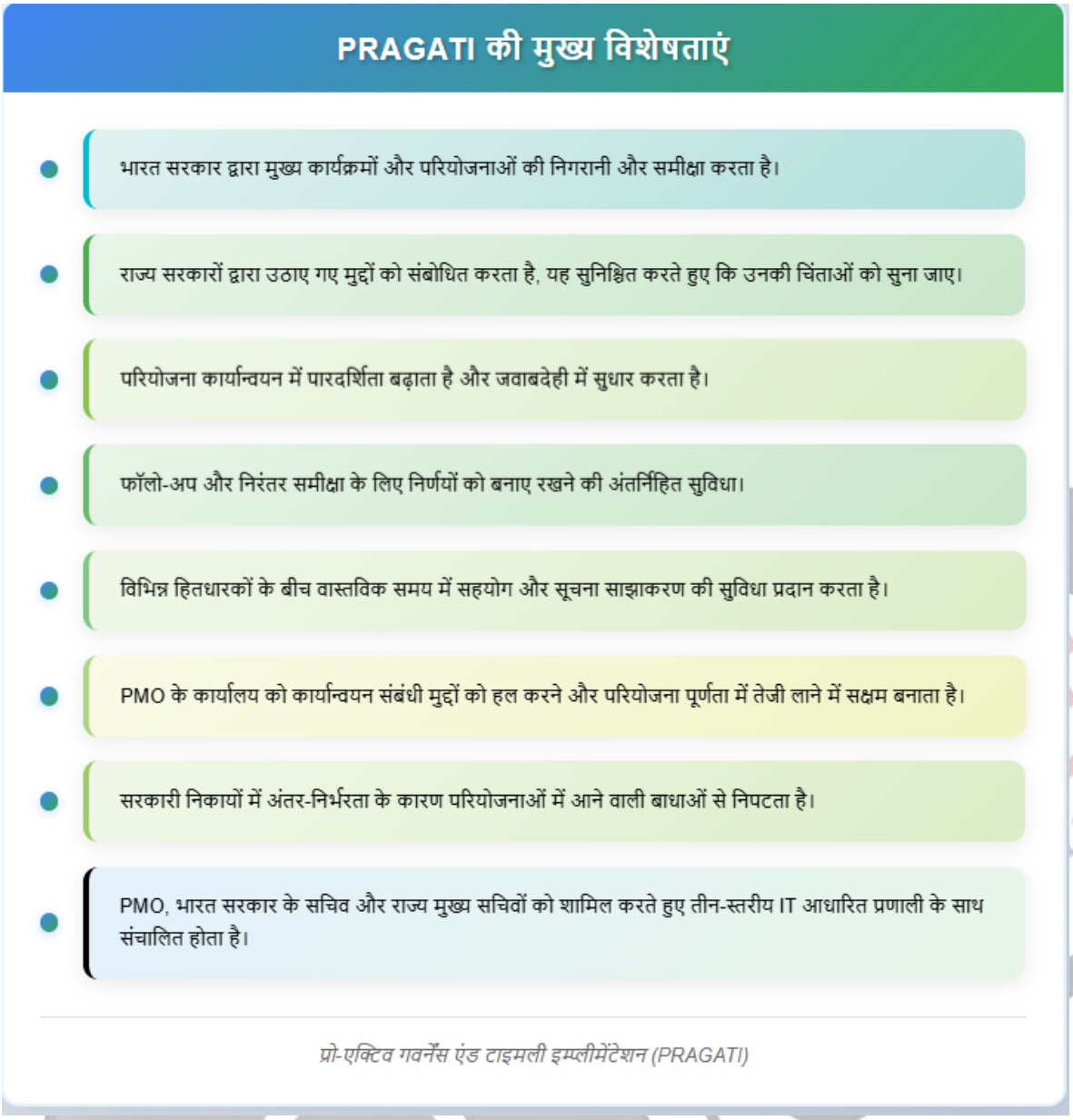

PRAGATI की मुख्य विशेषताएं

- भारत सरकार द्वारा मुख्य कार्यक्रमों और परियोजनाओं की निगरानी और समीक्षा करता है।
- राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों को संबोधित करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनकी चिंताओं को सुना जाए।
- परियोजना कार्यान्वयन में पारदर्शिता बढ़ाता है और जवाबदेही में सुधार करता है।
- फॉलो-अप और निरंतर समीक्षा के लिए निर्णयों को बनाए रखने की अंतर्निहित सुविधा।
- विभिन्न हितधारकों के बीच वास्तविक समय में सहयोग और सूचना साझाकरण की सुविधा प्रदान करता है।
- PMO के कार्यालय को कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों को हल करने और परियोजना पूर्णता में तेजी लाने में सक्षम बनाता है।
- सरकारी निकायों में अंतर-निर्भरता के कारण परियोजनाओं में आने वाली बाधाओं से निपटता है।
- PMO, भारत सरकार के सचिव और राज्य मुख्य सचिवों को शामिल करते हुए तीन-स्तरीय IT आधारित प्रणाली के साथ संचालित होता है।

प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लीमेंटेशन (PRAGATI)

और पढ़ें... PRAGATI (प्रो-एक्टिव गवर्नेंस एंड टाइमली इम्पलिमेंटेशन)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pragati-proactive-governance-and-timely-implementation